

कन अँगुरी स्त्री. (तद्.) कानी अँगुली, सबसे छोटी उँगली-कनिष्ठिका।

कनक पुं. (तत्.) 1. सोना 2. पुं. (तद्.) गेहूँ का आटा, गेहूँ।

कनकटा पुं. (तद्.) 1. जिसका कान कटा हुआ हो, बूचा 2. कान काटने वाला।

कनकनाना अव्य. (अनु.) अरबी, सूरन आदि के खाने से मुँह में एक प्रकार की चुनचुनाहट होना, अरुचिकर लगना।

कनकनिकष पुं. (तत्.) कसौटी।

कनकरेखा पुं. (तत्.) प्रभात या सायंकाल आकाश में पड़नेवाली सुनहली रेखा।

कनकी स्त्री. (तद्.) चावलों के छोटे टुकड़े, छोटा कण।

कनकौवा पुं. (देश.) (कान, कौआ) पतंग, गुड़ड़ी।

कनखजूरा पुं. (तद्.) एक जहरीला कीड़ा, इसे गोजर भी कहते हैं।

कनखियाना स.क्रि. (देश.) कनखी से देखना, तिरछी नजर से देखना, कनखी मारना।

कनखी स्त्री. (देश.) तिरछी आँखों से देखना। दूसरों की दृष्टि बचाकर देखने का ढंग 2. आँख का इशारा।

कनछेदन पुं. (तद्.) हिंदुओं का एक संस्कार जो प्रायः मुंडन के साथ होता है जिसमें बच्चों का कान छेदा जाता है, कर्णवेध।

कनटोष पुं. (देश.) सिर और कानों को ढँकनेवाली टोपी।

कनपटी स्त्री. (तद्.) कान और आँख के बीच का स्थान, गंडस्थल।

कनफटा पुं. (देश.) गोरखनाथ के अनुयायी योगी जो कानों को फड़वाकर उसमें बिल्लोर आदि की मुद्राएँ पहनते हैं।

कनफुँका पुं. (देश.) 1. कान फूँकनेवाला गुरु 2. कान फूँकवाने वाला चेला।

कनफूल पुं. (तद्., कर्णफूल) फूल के आकार का कान का गहना।

कनफेशन पुं. (अं.) अपराध, गलती, बुराई आदि कबूल करना।

कनफोड़ा पुं. (देश.) एक लता जो दवा के काम आती है, यह कड़वी, ठंडी और विषघ्न होती है।

कनबतियाँ स्त्री. (देश.) कानाफूँसी, निंदा जो खुलकर न की जाए।

कनबाती स्त्री. (देश.) कान में मुँह लगाकर बात करना।

कनमनाना अ.क्रि. (अनु.) सोने की अवस्था में व्याकुलता के कारण कुछ हिलना डुलना, किसी प्रकार की क्रिया या चेष्टा करना।

कनरस पुं. (देश.) 1. संगीत स्वर, रुचि, आनंद 2. गाना बजाना या बात सुनने का व्यसन।

कनरसिया पुं. (देश.) गाना-बजाना सुनने का शौकीन। संगीतप्रिय, नादप्रिय।

कनवास पुं. (अं.) (कैनवस) एक मोटा कपड़ा जिससे नावों के पाल और जूते आदि बनते हैं।

कनसुई स्त्री. (देश.) आहट, टोह मुहा. कनसुई या कनसुइयाँ लेना- 1. छिप कर किसी की बात सुनना 2. भेद लेना 3. सगुन विचारना।

कनस्तर पुं. (अं.) टीन का चौखुटा पीपा जिसमें घी तेल आदि रखते हैं। canister

कनागत पुं. (तद्.) (कन्यागत) 1. क्वार के महीने का अँधेरा पक्ष, पितृपक्ष, (जब सूर्य कन्या राशि में जाता है) इस समय श्राद्ध पितृकर्म अच्छा समझा जाता है।

कनात स्त्री. (तुर्की.) मोटे कपड़े की वह दीवार जिससे किसी स्थान को घेर कर आड़/पर्दा करते हैं।

कनाल पुं. (देश.) पंजाब में जमीन की एक नाप जो बीघे के चौथाई भाग के बराबर होता है स्त्री. (अं.) नहर जो किसी बड़ी नदी या बड़े जलाशय से कृषि कार्यों हेतु निकाली जाती है।